

डॉ. गैरी मीडर्स, 1 कुरिन्थियों, व्याख्यान 1, अभिविन्यास, इतनी सारी बाइबल , इतना कम समय, भाग 1

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी मीडर्स 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर अपनी शिक्षा देते हुए हैं। यह व्याख्यान 1 है, अभिविन्यास, इतनी सारी बाइबलें, इतना कम समय, भाग 1।

मैं 1 कुरिन्थियों पर बाइबल आधारित सीखने के लिए वीडियो व्याख्यानों की इस श्रृंखला के लिए आपके साथ होने पर प्रसन्न हूँ।

मेरा नाम गैरी मीडर्स है। मैं मिशिगन, यूएसए में ग्रैंड रैपिड्स थियोलॉजिकल सेमिनरी में ग्रीक और न्यू टेस्टामेंट का एमेरिटस प्रोफेसर हूँ। मैं वास्तव में फ्लोरिडा में अपने होम स्टडी से इन व्याख्यानों को टेप कर रहा हूँ, जहां मैं अर्ध-सेवानिवृत्त हूँ, इसलिए हमारे पास ऐसी सामान्य स्थिति नहीं है जहां मेरे पास ब्लैकबोर्ड हो।

मैं इधर-उधर घूमने में सक्षम हूँ और इस संबंध में सहज हूँ। और कभी-कभी एक तरह का या किसी अन्य तरह का घर का शोर भी टेपिंग में आ सकता है, और मैं बस आपको यह बताना चाहता था ताकि आप समझ सकें। मैं कौन हूँ, इसके संबंध में, जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, ग्रैंड रैपिड्स थियोलॉजिकल सेमिनरी से सेवानिवृत्त प्रोफेसर होने के नाते, जो कॉर्नरस्टोन यूनिवर्सिटी का भी एक हिस्सा है, मैंने लगभग तीन स्कूलों में 30 से अधिक वर्षों तक पढ़ाया, विशेष रूप से स्नातक स्तर पर।

मेरे मुख्य शिक्षण क्षेत्र ग्रीक, हेर्मेनेयुटिक्स और न्यू टेस्टामेंट पुस्तकें थीं। मैंने 30-कुछ वर्षों में कई तरह के पाठ्यक्रम किए, जिनमें मैंने पूर्णकालिक रूप से पढ़ाया। मैंने ग्रैंड रैपिड्स सेमिनरी के लिए कुछ ऑनलाइन आइटम भी किए हैं।

मेरी एक वेबसाइट है जिसका नाम gmedors.com है। आप हेडर से लेकर नोट्स तक देख सकते हैं कि मेरा नाम क्या है और इसे सही तरीके से कैसे लिखा जाता है। मेरी वेबसाइट थोड़ी पुरानी हो गई है। मुझे उम्मीद है कि मैं इसे जल्द ही अपडेट कर लूंगा।

शिक्षण और उपदेश के अंतर्गत कुछ ऐसी चीजें हैं जो आपके लिए रुचिकर हो सकती हैं, मेरे साथ कुछ व्यक्तिगत मुद्दे, मेरे शौक और वे चीजें जो मुझे करने में मज़ा आता है। अब, इससे पहले कि आप वास्तव में 1 कुरिन्थियों पर व्याख्यान सुनना शुरू करें, मेरे पास आपके लिए कुछ अभिविन्यास है जिसके बारे में आपको सोचना चाहिए कि इसका क्या अर्थ है। सबसे पहले, इस समय तक, आपको नोट पैकेज, या कम से कम उनमें से पहले दो को पुनः प्राप्त कर लेना चाहिए, ताकि जब मैं आपसे बात करूँ तो आप उन्हें अपने सामने रख सकें।

उदाहरण के लिए, इस समय, आपके पास बाइबिल सीखने के लिए 1 कुरिन्थियों के व्याख्यान होने चाहिए, जिसमें मेरा नाम और संपर्क जानकारी शामिल होनी चाहिए। फिर, बाइबिल सीखने पर छात्रों को सलाह नामक एक अनुभाग है, विशेष रूप से ऑनलाइन सीखने के मुद्दे पर। मैं आपको यह सोचने में मदद करने की कोशिश करना चाहता हूँ कि समय का सबसे अच्छा उपयोग करने के लिए खुद को कैसे तैयार किया जाए। मुझे एहसास है कि कंप्यूटर के सामने बैठना और बात करने वाले व्यक्ति को सुनना वास्तव में बहुत मजेदार नहीं है।

मैं इसे जितना संभव हो उतना रोचक बनाने की कोशिश करूँगा। हम सभी को इस मुद्दे या ऐसे माहौल में बहुत मज़ा आता है जहाँ लोगों का एक समूह होता है जहाँ हम सवाल पूछ सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं। मैं समय-समय पर आपके सवालों का वकील बनने की कोशिश करूँगा और सवाल उठाकर उसका जवाब दूँगा, और मैं आपको बातचीत में बनाए रखने की कोशिश करूँगा, भले ही हम एक-दूसरे से बात न कर पाएँ।

छात्रों को सलाह के तहत, यहाँ कुछ चीजें हैं जो आपको व्याख्यान सुनने में स्थापित होने से पहले करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, आपको मेरे नोट्स प्राप्त करने की आवश्यकता है। मैंने नोट्स पैकेज की एक श्रृंखला प्रदान की है, जो मुझे लगता है कि बाइबिलिकली ई-लर्निंग साइट के लिए थोड़ा असामान्य हो सकता है।

डॉ. हिल्डेब्रांट, जो साइट को एक साथ रखते हैं, उन्हें ये उपलब्ध कराएंगे ताकि आप उन्हें देख सकें। वे क्रमांकित हैं, और हम आज अपने अभिविन्यास सत्र के लिए नोट पैक एक में हैं और फिर एक छोटा व्याख्यान जो मैं आपके साथ साझा करूँगा। आपके पास ये होना चाहिए।

आपको उन्हें प्रिंट करना होगा या उन्हें अपने कंप्यूटर पर रखना होगा जहाँ आप उन्हें देख सकें। मैं नोट पैकेज का उपयोग वैसे ही करूँगा जैसे मैं ब्लैकबोर्ड का उपयोग करता हूँ। वे केवल रूपरेखाएँ हैं, बेशक, काफी हद तक, लेकिन मैंने उन्हें थोड़ा और पूर्ण बनाया है ताकि आपको यह देखने का अवसर मिले कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ।

वास्तव में, मैं पृष्ठ का संदर्भ दूँगा। मैं उस अनुभाग का संदर्भ दूँगा जिसमें हम हैं। कभी-कभी, हमारे पास चार्ट होंगे, या मेरे पास 1 कुरिन्थियों की पुस्तक में किसी अंश के संबंध में मुद्दों या विचारों की एक सूची हो सकती है।

इसलिए कृपया उन्हें प्राप्त करें यदि आपने पहले से नहीं किया है और कम से कम पहले दो पैकेज अपने सामने रखें जब आप आज व्याख्यान सुनने के लिए बैठें, भले ही हम फ़ाइल एक या नोट पैक एक और नोट पैक दो के रूप में जाने जाने वाले काम से निपटेंगे। यदि संभव हो तो मैं इसकी अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ, और मुझे एहसास है कि यह संभवतः एक अंतरराष्ट्रीय सेटिंग है, आपके पास इन व्याख्यानों के लिए उपयोग करने के लिए बहुत सुविधाजनक कंप्यूटर भी नहीं हो सकता है, लेकिन मेरी आशा है कि आप अपने लिए कुछ संसाधन प्राप्त करने का एक तरीका खोज पाएंगे जिसका आप इन व्याख्यानों को सुनते समय अध्ययन कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, आप एक बेरियन बनें, जैसा कि प्रेरितों की पुस्तक कहती है, कि आप उन चीजों की जांच करें जो हम कहते हैं, कि आप व्याख्यात्मक विचारों की तलाश करते हैं।

अब, परिचय में थोड़ी देर बाद, मैं आपको कुछ ग्रंथसूची से परिचित कराऊंगा, लेकिन छात्रों को दी गई इस सलाह के बीच में मेरी कुछ टिप्पणियाँ हैं, जहाँ मेरा सुझाव है कि आप किसी पुस्तकालय, किसी मित्र या कम से कम कुछ आइटम, एक या दो टिप्पणियाँ खरीद लें जिन्हें आप पढ़ सकते हैं। अब, आप क्या करना चाहेंगे? 1 कुरिन्थियों पर बहुत सारा साहित्य है, और साहित्य के सभी प्रकार के स्तर हैं। एक छात्र के रूप में, मेरा सुझाव है कि, आम तौर पर, आपको अपने से ऊपर पढ़ने की सलाह दी जाती है।

दूसरे शब्दों में, अपने आप को कमतर न आँकें। 1 कुरिन्थियों पर किसी आसान उपदेशात्मक पुस्तक की तलाश न करें। ऐसी टिप्पणी की तलाश करें जो वास्तव में आपको 1 कुरिन्थियों की पुस्तक के पाठ का अर्थ समझाए।

अगर आपको किसी टिप्पणी में थोड़ी बहुत ग्रीक भाषा दिखती है या फिर यह तथ्य कि टिप्पणियाँ बहुत केंद्रित होती हैं, और इसलिए उन्हें पढ़ना आसान नहीं होता, और वे कोई उपन्यास नहीं होते जिन्हें आप बैठकर सिर्फ़ आनंद के लिए पढ़ लें, तो घबराएँ नहीं। आप उन्हें जानकारी के लिए पढ़ रहे हैं। इनके संबंध में दो टिप्पणियाँ हैं।

मैंने यहाँ जिन दो लोगों का ज़िक्र किया है, उनमें से पहले चार्ल्स टैलबर्ट और गारलैंड हैं। ग्रंथसूची आपके नोट्स में थोड़ी देर बाद दी गई है। ये दो टिप्पणियाँ हैं जिन्हें कोई भी उठा सकता है और इस्तेमाल कर सकता है।

हो सकता है कि कभी-कभार भाषा का संदर्भ हो, लेकिन साथ ही, ये दोनों लेखक अंग्रेजी बोलने वाले दर्शकों, अंग्रेजी पढ़ने वाले दर्शकों के लिए लिख रहे हैं। और मैं इस तथ्य के बारे में एक शब्द कहूँगा कि मैं जो व्याख्यान श्रृंखला कर रहा हूँ, कम से कम, अंग्रेजी में हैं, भले ही वे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उपलब्ध हों। यदि आप अधिक उन्नत टिप्पणियाँ पढ़ना चाहते हैं, तो आपको टैलबर्ट और गारलैंड बहुत चुनौतीपूर्ण लगेंगे।

टैलबर्ट आपको संरचना का अर्थ समझाएंगे। अब, यह एक अजीब वाक्यांश की तरह लगता है, लेकिन वह आपको दिखाता है कि प्रेरित पौलुस ने अपने श्रोताओं से संवाद करने के लिए 1 कुरिन्थियों की संरचना कैसे की। उनके श्रोता मुख्य रूप से सुनने वाले श्रोता थे, पढ़ने वाले श्रोताओं से ज़्यादा, और यह आपके द्वारा सामग्री की संरचना करने के तरीके में बहुत अंतर लाता है।

बेकर द्वारा प्रकाशित गारलैंड की टिप्पणी, 1 कुरिन्थियों की पुस्तक के आपके पहले गंभीर अध्ययन के लिए एक उत्कृष्ट टिप्पणी है। गारलैंड एक शानदार लेखक हैं। ऐसा लगता है कि उनके पास इस तरह से लिखने की क्षमता है कि आप समझ सकें और जटिल चीजों को समझ सकें कि मुद्दे क्या हैं।

इसलिए, मैं उनकी टिप्पणी को आपके पहले पठन में से एक के रूप में अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ। अब, यदि आप अधिक उन्नत हैं, शायद किसी स्तर पर 1 कुरिन्थियों में एक कोर्स भी किया है, तो आप कुछ और अधिक उन्नत संसाधनों के लिए तैयार हो सकते हैं। मैंने सिआम्पा और रोस्नर वॉल्यूम का उल्लेख किया है, जो 1 कुरिन्थियों पर एक अच्छा वॉल्यूम है।

जैसा कि मैंने बताया, ग्रंथसूची बाद में आती है। गॉर्डन फी का 1 कुरिन्थियों का संशोधित संस्करण एक बहुत बड़ी टिप्पणी है। फिट्ज़मेयर और एंकर बाइबल श्रृंखला।

एंकर बाइबल सीरीज़ वह नहीं है जिसके बारे में कुछ लोग तुरंत सोचेंगे, यह आपकी अपनी संप्रदायिक पृष्ठभूमि पर निर्भर करता है। जोसेफ़ फ़िट्ज़मेयर एक रोमन कैथोलिक विद्वान थे, जिनका कद बहुत छोटा नहीं था। एक बहुत ही दिलचस्प व्यक्ति।

उनका काम और उनका दिमाग तथ्यों को खोदकर निकालना और उन तथ्यों को टिप्पणी में रखना था। वह राय देते हैं, लेकिन उनका ज़्यादातर ध्यान जानकारी पर रहता है। 1 कुरिन्थियों और एंकर बाइबल पर उनके काम में बहुत सारी अच्छी बातें हैं।

इंग्लैंड के एंथनी थिसलटन की एक और हालिया टिप्पणी है। यह कई मायनों में बहुत उन्नत टिप्पणी है। कुछ लोग इसे अधिक व्याख्यात्मक मानते हैं, फिर भी यह एक निश्चित स्तर पर अच्छा है।

इसलिए, मैंने इन्हें इस क्रम में सूचीबद्ध किया है कि मैं सुझाव दूंगा कि आप इन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में सोचें जिसके पास बाइबल के अध्ययन में बहुत अधिक पृष्ठभूमि नहीं है या थोड़ी पृष्ठभूमि है। लेकिन ये ऐसी चीजें हैं जिन पर शोध करना आपके लिए बहुत अच्छा होगा। एक चीज है जो मैंने जीवन में सीखी है, और वह यह है।

आप वही हैं जो आप पढ़ते हैं। थोड़ा सा पाने के लिए आपको बहुत कुछ पढ़ना होगा। आप विभिन्न प्रकार के संसाधनों को देखते हैं जो किसी अनुच्छेद की व्याख्या करते हैं, और आप उन संसाधनों से जानकारी निकालते हैं, और आप विभिन्न संसाधनों से जानकारी की तुलना करते हैं।

एक ऐसी किताब पढ़ना जो पढ़ने में आसान हो या जो आपको आधिकारिक होने का आभास दे, सही तरीका नहीं है। सही तरीका यह है कि आप उन सभी योग्य लेखकों की तुलना करें जो आपको 1 कुरिन्थियों की व्याख्या कर रहे हैं। उन लेखकों के बीच सामान्य विभाजक खोजें, जो कुछ ऐसा है जिस पर आप शायद भरोसा कर सकते हैं, और फिर देखें कि वे एक दूसरे से कहाँ भिन्न हैं और वे क्यों भिन्न हैं।

बाइबल की किसी पुस्तक की व्याख्या करने की सीखने की प्रक्रिया का यह एक बहुत बड़ा हिस्सा है। इसलिए, टिप्पणियाँ शोध के लिए होती हैं। वे बिस्तर पर बैठकर पढ़ने के लिए नहीं होतीं।

जब आप व्याख्यान और बाइबिल संबंधी ई-लर्निंग सुनते हैं, तो आपको शोध और ध्यान के बारे में सोचना चाहिए। यह कोई आरामकुर्सी जैसी स्थिति नहीं है। यह गंभीर है।

क्या आप परमेश्वर के वचन के विद्यार्थी बनना चाहते हैं? क्या आप समझना चाहते हैं कि बाइबल क्या सिखाती है? फिर, यह आपको उस सामग्री पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए कहता है जिसे आप एक्सेस करने का अवसर प्राप्त करते हैं। मैं आपके अध्ययन में यह भी सुझाव दूंगा कि

आप इस पाठ्यक्रम को सुनते समय साप्ताहिक आधार पर एक स्थान और समय के बारे में सोचें। यह मदद करता है, और यह विशेष रूप से एक स्थान होने से मदद करता है।

आपको एक निजी जगह चाहिए। आपको एक शांत जगह चाहिए। आपको एक ऐसी जगह चाहिए जहाँ आप ध्यान केंद्रित कर सकें।

अगर यह संभव नहीं है, तो आप अपने पास जो है, उसके साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। मुझे लगता है कि आपको इससे कहीं ज़्यादा मिलेगा। एक घंटा या जितना भी समय आपके पास है, उसे निकालिए और उसमें निरंतरता बनाए रखिए।

यह आपकी कक्षा का समय बन जाता है और वह समय जब आप उन सामग्रियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जिन्हें मैं आपके साथ साझा करने जा रहा हूँ। कृपया बेझिझक मुझसे संपर्क करें जिस पृष्ठ को आप अभी देख रहे हैं उसके शीर्ष पर मेरा ईमेल और यूएसए में फ़ोन नंबर है। संचार के मामले में ईमेल हमेशा सबसे अच्छी चीज़ होती है।

मैं अंततः इसे प्राप्त करूँगा और इसका उत्तर दूँगा। gngmeters@mac.com मेरा ईमेल है। मैं आपको पाठ्यक्रम के बारे में बताने या उन प्रश्नों का उत्तर देने में बहुत खुश हूँ जो शायद प्रथम कुरिन्थियों से संबंधित न हों।

जैसा कि मैंने कहा, ये वीडियो व्याख्यान प्रदान की गई नोट फ़ाइलों के साथ समन्वित हैं। सत्र शुरू करते समय हमेशा अपने सामने उचित नोटपैड रखें। आप हाशिये पर नोट्स ले सकते हैं।

आप कुछ अतिरिक्त पृष्ठ रख सकते हैं। आप प्रश्न चिह्न लगा सकते हैं। मुझे इस पर इस प्रोफेसर से सलाह लेनी है या शायद किसी ऐसी चीज़ पर चेक मार्क लगाना है जो आपको उपयोगी लगे।

मैं हमेशा आपको नोटपैड की ओर निर्देशित करके शुरू करूँगा और आपको उसी के अनुसार चलने दूँगा। जैसा कि मैंने बताया, मैं इन नोट्स का इस्तेमाल ब्लैकबोर्ड या चॉकबोर्ड, व्हाइटबोर्ड की तरह करूँगा, जहाँ मैं अपने सामने छात्रों की एक कक्षा से बात करूँगा। मैं एक और बात कहना चाहूँगा।

जैसा कि आप देखेंगे कि जब हम ग्रंथसूची और उपलब्ध स्रोतों पर परिचय में व्याख्यान में पहुँचते हैं, तो प्रथम कुरिन्थियों की पुस्तक के बारे में बहुत सारा साहित्य है। मैंने कई वर्षों तक कुरिन्थियों को पढ़ाया है, और मुझे लगता है कि मैंने केवल सतह को ही खरोँचा है। वास्तव में, जब मैं यहाँ यूएसए के फ्लोरिडा में अपने घर के कार्यालय में बैठकर आपसे बात कर रहा हूँ, तो मैं एक शेल्फ की ओर देख रहा हूँ जिसे आप नहीं देख सकते।

नीचे की तीन अलमारियों में सिर्फ़ फर्स्ट कोरिन्थियन की किताब पर लेख वाले फ़ोल्डर हैं। अब, यह कोई टिप्पणी भी नहीं है। यह तो जर्नल साहित्य है, ऐसा कहा जा सकता है।

यह साहित्य की एक बहुत बड़ी मात्रा है। यह बहुत ज़्यादा बोझिल हो सकता है। और इसलिए, मैं आपको ऐसा क्या बताऊँ जो बिल्कुल नया हो? खैर, सुलैमान ने बहुत समय पहले, दूसरे संदर्भ में कहा था कि सूर्य के नीचे कुछ भी नया नहीं है।

और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवधारणा है जिसे आपको अपने दिमाग में बिठाना चाहिए। वास्तव में, मैंने कई साल पहले एक उद्धरण सीखा था कि मौलिकता विषय-वस्तु का मामला नहीं बल्कि व्यक्तिगत उपचार का मामला है। मैं कुछ चीजों को अलग तरह से देखूंगा, शायद, और उम्मीद है, जैसा कि आपने पहले सुना है।

लेकिन अगर आप बाहर जाकर उन स्रोतों पर शोध करेंगे जो मैं आपके ध्यान में लाता हूँ, तो आप मेरे ट्रैक देखेंगे। आप उन लेखकों को देखेंगे जिन्होंने मुझे प्रभावित किया है। लेकिन यह ज़्यादातर लेखक नहीं है बल्कि यह वह डेटा है जिसे लेखकों का एक संघ सतह पर लाता है जिसके माध्यम से मैं काम करूँगा।

मैं प्रथम कुरिन्थियों की मूल समझ से विचलित नहीं हो रहा हूँ। हाँ, मेरे विचार कुछ लोगों से अलग होंगे। हम जिस भी पाठ को देखेंगे, उस पर हम हमेशा सहमत नहीं होंगे।

लेकिन यह बाइबिल की व्याख्या का हिस्सा है। यह उन चीज़ों को सामने लाने की खोज का हिस्सा है जो पॉल ने अपने मूल श्रोताओं के लिए अभिप्रेत की थीं, और इसलिए, हम उस श्रोता से सीखते हैं। यह मेरा एक और ज़ोर है, जैसा कि मैं सिखाता हूँ कि हमारा काम इस सवाल का जवाब देना नहीं है कि बाइबल मेरे लिए क्या मायने रखती है? मेरे लिए इसका जो मतलब है, वह इसके मतलब से बहुत अप्रासंगिक हो सकता है।

मेरा काम यह पूछना नहीं है कि बाइबल मेरे लिए क्या मायने रखती है। मेरा काम यह निर्धारित करना है कि बाइबल का क्या मतलब है। और इसे और भी स्पष्ट करने के लिए, अगर हम नहीं जानते कि इसके मूल संदर्भ और सेटिंग में इसका क्या मतलब था, तो हमारे पास इस सवाल का जवाब देने की बहुत कम उम्मीद है, इसका क्या मतलब है जब मैं इसे आज अपने संदर्भ में लाता हूँ? अब, हम सभी को यह करना है, और एक अद्भुत तरीके से, बाइबल लिखी गई थी ताकि इसका क्या मतलब था, उदाहरण के लिए, पहली सदी में, इसे हमारे अपने संदर्भ में उचित तरीकों और महत्वपूर्ण तरीकों से स्थानांतरित किया जा सके। लेकिन हम इसके अर्थ के बारे में दावे करते समय वैध होने के लिए इसके अर्थ से एक लिंक बनाते हैं। अब, हम 1 कुरिन्थियों के माध्यम से आगे बढ़ते हुए इस बारे में बात करेंगे।

उदाहरण के लिए, जब हम 1 कुरिन्थियों 5 पर आते हैं, और हम 1 कुरिन्थियों में न्यायालयों और ईसाइयों के न्यायालय जाने के बारे में बात कर रहे हैं, तो हम सवाल पूछेंगे, ठीक है, वह उनका समय था, वह उनकी न्यायालय प्रणाली थी, एक रोमन प्रणाली। उनके संदर्भ में विशेष परिस्थितियाँ हैं, और मेरे संदर्भ में, इसकी तुलना कैसे की जा सकती है? उदाहरण के लिए, एक अमेरिकी न्यायालय प्रणाली, रोमन न्यायालय प्रणाली जैसी नहीं है। इसलिए, हमें यह जानना होगा कि इसका क्या अर्थ है ताकि हमारे पास यह दावा करने का एक वैध तरीका हो कि हम अपनी स्थिति में इसका क्या अर्थ मानते हैं।

हमें इसे ध्यान में रखना चाहिए। अब, इन व्याख्यानों के परिणामस्वरूप, आपको विभिन्न मुद्दों पर कई दृष्टिकोणों से अवगत कराया जाएगा। संभवतः नए नियम में कोई अन्य पुस्तक नहीं है जो ऐसे मुद्दों की एक श्रृंखला को उठाती है जो ईसाइयों के लिए हमेशा के लिए मुद्दे हैं।

1 कुरिन्थियों में शायद यह सब न हो, लेकिन इसमें निश्चित रूप से इतना कुछ है कि यह हमें लंबे समय तक व्यस्त रख सकता है। और इसलिए, मैं आपको अलग-अलग दृष्टिकोण और अलग-अलग दृष्टिकोणों से अवगत कराऊंगा। कभी-कभी, ये दृष्टिकोण बहुत अलग हो सकते हैं, और हमें ऐसे प्रमुख विद्वान मिल सकते हैं जो कभी-कभी किसी विशेष पाठ में क्या सिखाया जाता है, इस पर आपस में झगड़ते हैं।

यह प्रक्रिया का हिस्सा है। यह कई संसाधनों का होना और उन संसाधनों के माध्यम से एक आम समझ की ओर निर्णय लेना है और, किसी व्याख्या की बारीकियों में, आपको क्या लगता है, साक्ष्य के आधार पर और उसके अर्थ के साथ सहसंबंध के आधार पर, इसका वर्तमान अर्थ क्या है, इसका सबसे अच्छा उत्तर होगा। और मैं इससे भी अधिक कहूंगा कि ऐसे समय आएं जब हम यह नहीं कहेंगे कि यह दृष्टिकोण है।

वास्तव में, ऐसा बहुत कम ही होगा। और मैं अक्सर कहूंगा कि ये दो या तीन सबसे अच्छे उत्तर हैं कि यह दृष्टिकोण क्या है। और हमें इनके बारे में सोचना चाहिए और खुद से पूछना चाहिए कि इन दृष्टिकोणों में से सबसे सही क्या होने की संभावना है? अब, यह हमेशा ऐसा नहीं होता है।

कुछ मुद्दे, कुछ चीजें हैं जो आम तौर पर एक दूसरे से जुड़ी होती हैं, जैसे नैतिकता। पूरी बाइबल में कुछ नैतिक मुद्दों के बारे में एक आम बात है जिसे हम पहचान सकते हैं और जिसके बारे में हम बहुत ही कट्टर हो सकते हैं।

लेकिन पाठ की व्याख्या की बारीकियों के लिए बहुत विनम्रता की आवश्यकता होती है। अब, जब मैं बोल रहा हूँ, तो मैं कभी-कभी यहाँ पानी भी पी लूँगा। चूँकि मैं बहुत ज़्यादा सार्वजनिक व्याख्यान नहीं दे रहा हूँ, इसलिए मुझे अपने गले को ठीक रखने के लिए शायद थोड़ा पानी पीने की ज़रूरत होगी।

तो, आपका काम है सुनना। आपका काम है चिंतन करना। इस कोर्स को प्रोसेस करने के साथ-साथ अपना खुद का शोध भी करें।

मैं कुछ पाठों में आपसे उस बारे में बात करने जा रहा हूँ जिसे मैं सत्यापन कहता हूँ। तो, जहाँ आप धर्मग्रंथ के व्याख्याकार बनेंगे, न केवल आप सोचेंगे कि यह क्या कहता है, बल्कि यहाँ कारण भी है कि आप सोचते हैं कि यह ऐसा कहता है। क्योंकि आपने जो कहा है उसके लिए इन तीन या चार दृष्टिकोणों को देखा है और उसमें से, आप इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं, और यहाँ इसके कारण हैं।

यह बाइबिल की व्याख्या है। बाइबिल की व्याख्या मेरे लिए वह नहीं है जो इसका मतलब है। बाइबिल की व्याख्या वह है जो मेरे वर्तमान परिवेश के साथ सहसंबंध की रेखाओं के साथ इसका

मतलब है और बाइबिल के इतिहास में जो हम देखते हैं उसके संबंध में इसका सबसे अधिक संभावित अर्थ है।

तो, बाइबिल का अर्थ वह नहीं है जो आप सोचते हैं, बल्कि वह है जिसे आप अनुशासन, शोध और चिंतन द्वारा प्रमाणित कर सकते हैं। ठीक है, तो यह कुछ सलाह है क्योंकि आप 1 कुरिन्थियों पर इस पाठ्यक्रम को सुनने के बारे में सोचना शुरू करते हैं। अब, उस मूल फ़ाइल में, नंबर एक, आप विषय-सूची पर आते हैं।

और मैं आपके लिए व्याख्यानों की रूपरेखा तैयार करूँगा। मैं पृष्ठ संख्याओं को सहसंबंधित करने का प्रयास करूँगा। यह थोड़ा अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि यह अभी एक गतिशील लक्ष्य है।

लेकिन जब आप इसे बाइबिलिकली लर्निंग साइट से निकालेंगे तो आपके पास विषय-सूची की पूरी सूची होगी। तो, एक तरह से, यह आपके लिए मेरा उन्मुखीकरण है, आपसे एक अच्छा छात्र बनने के लिए कह रहा हूँ, आपसे कुछ तरीकों से, कई तरीकों से, शायद एक अच्छे छात्र के रूप में धैर्य रखने के लिए कह रहा हूँ, कुछ संसाधन प्राप्त करने के लिए, तैयार रहने के लिए, और 1 कुरिन्थियों की पुस्तक से संबंधित सामग्री से निपटने के लिए आपके पास जो अवसर है उसे गंभीरता से लेने के लिए कह रहा हूँ। अब, इसी परिचयात्मक व्याख्यान में, मैं उस विषय पर जाना चाहता हूँ जिसे मैं 1 कुरिन्थियों का परिचय कहता हूँ।

मैं इस परिचय में कई तरह की बातें करने जा रहा हूँ। इनमें से कुछ बातें मेरी पसंदीदा हो सकती हैं। यह मेरे लिए आपके साथ इसे साझा करने का अवसर है।

यह पहला व्याख्यान बहुत हद तक उसी क्षेत्र में है क्योंकि इस व्याख्यान का नाम है 'इतनी सारी बाइबलें, इतना कम समय।' आप अपनी विषय-सूची में देखेंगे कि यह पहला व्याख्यान है। इस व्याख्यान और दूसरे वीडियो के बाद, हम इस बारे में बात करेंगे कि बाइबल हमें बाइबल की शिक्षा के तीन स्तरों के बारे में कैसे सिखाती है।

मैं यहाँ जो करने की कोशिश कर रहा हूँ वह पाठ की प्रकृति, वे क्या सिखा रहे हैं, और वह शिक्षा हमसे कैसे संबंधित है, के सवाल का उत्तर देना है। किसी ने कहा है कि बाइबल में, एक व्याख्या है, और कई अनुप्रयोग हैं। मैं इसे फिर से कहना चाहता हूँ।

एक व्याख्या, कई अनुप्रयोग। खैर, इसके साथ समस्या यह है: कई बार, वे कई शब्द से एम हटा देते हैं। एक व्याख्या, कोई भी अनुप्रयोग।

और यह बात इस पर वापस आती है कि बाइबल मेरे लिए क्या मायने रखती है, बजाय इसके कि बाइबल का क्या मतलब था और इसलिए, हमारे वर्तमान संदर्भ में इसका वैध अर्थ क्या है। हमें इस बारे में बहुत सावधान रहना होगा। इसलिए बाइबल हमें सिखाती है, और मैं इसके बारे में किसी दूसरे व्याख्यान में बात करूँगा।

फिर, मैं संक्षेप में उस बारे में बात करूँगा जिसे सत्यापन की प्रक्रिया के रूप में जाना जाता है। यह कहने के लिए बस एक फैंसी शब्द है: जब आप बाइबल की किसी पुस्तक का अध्ययन करने बैठते हैं तो आपको क्या करना चाहिए? मैं आपको एक ऐसी प्रक्रिया से परिचित कराने की कोशिश करने जा रहा हूँ जिसका आपको पालन करना चाहिए जब आप बाइबल की किसी पुस्तक का अध्ययन करने के लिए समय और ऊर्जा लगाते हैं।

आपको एक विधि की आवश्यकता है। सत्यापन एक विधि है। यह विचारों को सामने लाने की इस प्रक्रिया को भी सामने लाता है ताकि आप विभिन्न विचारों के बीच सही निर्णय ले सकें।

फिर, उसके बाद, हम उस पहले व्याख्यान या परिचय के अंतर्गत अंतिम व्याख्यान में 1 कुरिन्थियों के औपचारिक परिचय में शामिल होंगे। तो, चार आइटम जिन पर हम नज़र डालेंगे, और आप उन्हें विषय-सूची में देख सकते हैं। इस समय, मैं अपना बदलाव करना चाहता हूँ और उन नोट्स के सेट पर जाना चाहता हूँ जो इतने कम समय में इतनी सारी बाइबलों से संबंधित हैं।

अगर मैं और अधिक होता, इलेक्ट्रॉनिक रूप से अधिक चतुर होता, तो मैं आपके लिए कुछ संगीत बना सकता था जब मैं कुछ पीने के लिए रुकता, लेकिन मुझे लगता है कि आपको संगीत के बजाय वीडियो का आनंद लेना होगा। तो, बहुत सारी बाइबलें, इतना कम समय। अब, चुनौतियों में से एक यह है कि मुझे रुकना होगा और इस तथ्य के बारे में टिप्पणी करनी होगी कि यह अंग्रेजी में एक व्याख्यान है।

यह अंग्रेजी बाइबल से संबंधित होगा। मैं समय-समय पर ग्रीक न्यू टेस्टामेंट लाऊंगा। यदि आपके पास ग्रीक भाषा है तो यह आपके टूल बॉक्स में मौजूद उपकरणों में से एक है।

अगर आपने ऐसा नहीं किया है, तो उन लोगों द्वारा लिखी गई किताबें पढ़ें जिन्होंने ऐसा किया है, और जब वे नहीं समझ पाते हैं तो वे आपको समझने में मदद करेंगी। भाषा किसी तरह का रहस्य नहीं है। बाइबल का वास्तविक अर्थ समझने के लिए भाषा किसी तरह का रहस्य नहीं है।

भाषा उन कई औज़ारों में से एक है जिसका इस्तेमाल पाठ के अर्थ तक पहुँचने के लिए किया जा सकता है। यह उस पहुँच को थोड़ा और विशिष्ट बनाता है। यह इस अर्थ में इसे थोड़ा और अधिकार देता है कि बाइबल हिब्रू, अरामी और ग्रीक में लिखी गई थी, और जितना अधिक हम उन भाषाओं के बारे में जानते हैं, उतना ही हम समझते हैं कि लेखकों ने जो लिखा वह कैसे लिखा।

लेकिन अगर हम साहित्य की कुछ ऐतिहासिक परंपराओं को नहीं समझते और यह नहीं जानते कि साहित्य कैसे काम करता है, जैसे भजन या नीतिवचन या पत्र या भविष्यवाणियाँ, अगर हम यह नहीं समझते कि यह कैसे काम करता है, तो भाषा के पास काम करने के लिए कोई संदर्भ नहीं होगा। इसलिए, शास्त्र की व्याख्या में कई चीजें शामिल हैं। लेकिन हम मुख्य रूप से अंग्रेजी बाइबिल को देखने जा रहे हैं।

और मैं आपसे माफ़ी चाहता हूँ; मैं एकभाषी हूँ। मैं भाषाओं के मामले में वंचित हूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरी परवरिश ऐसे माहौल में हुई होती जहाँ मैं कई भाषाएँ सीख सकता और शायद आपकी मदद करने के लिए कुछ कर पाता।

हो सकता है कि आप स्पैनिश, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, अरबी या कोई अन्य भाषा बोलने वाले व्यक्ति हों। मुझे इसे अंग्रेजी आधार से करना होगा। इसलिए, मैं इसे अपनी तुलना के रूप में उपयोग करूँगा।

अब इसका मतलब यह नहीं है कि यह आपके लिए उपयोगी नहीं है। मुझे लगता है कि यह उपयोगी होगा, कभी ज़्यादा, कभी कम। अंग्रेजी के संबंध में हमारे पास जो चीज़ें हैं, उनमें से एक है अंग्रेजी अनुवादों का प्रसार।

मैं थोड़ा पीछे हटना चाहता हूँ क्योंकि हम इस बारे में सोचना शुरू करते हैं। सबसे पहले, पुराना नियम हमारे पास हिब्रू और अरामी भाषा में आता है। अरामी भाषा के कुछ सीमित भाग हैं, जो हिब्रू से बहुत मिलते-जुलते हैं।

फिर, यह हमारे पास एक संस्करण के रूप में आता है, या दूसरे शब्दों में, ग्रीक में अनुवाद के रूप में। हम इसे सेप्टुआजेंट कहते हैं। यह हमारे लिए उपलब्ध कराया गया था।

सेप्टुआजेंट, जिसमें LXX का उपयोग अंक 70 के रूप में बड़े अक्षरों में किया गया है, तीसरी से दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के हिब्रू स्रोतों से ग्रीक अनुवाद है। यह कार्य मुख्य रूप से मिस्र में किया गया था, और सेप्टुआजेंट के उत्पादन के बारे में कई दिलचस्प अध्ययन हैं। यहां तक कि कुछ प्राचीन स्रोत भी हैं जैसे कि लेटर ऑफ एरिस्टियास, जिसे आज हम सेप्टुआजेंट पर एक पीआर टुकड़ा कहेंगे।

और यह ऐसी बात नहीं है जिसे आप अपनी बात पर यकीन कर लें। यह सेप्टुआजेंट के बारे में कुछ बेतुके दावे और दावे करता है, जिनके बारे में हम अब जानते हैं कि ऐतिहासिक रूप से शायद ऐसा नहीं था। लेकिन सेप्टुआजेंट को एक सीमित समय सीमा में तैयार किया गया था, और यह कई यहूदियों के लिए पहली सदी की ग्रीक बाइबिल बन गई, जिनकी हिब्रू भाषा शायद उतनी अच्छी नहीं थी, और खास तौर पर शुरुआती ईसाई समुदाय के लिए पुराने नियम तक पहुँच ग्रीक के ज़रिए थी।

हम जानते हैं कि नए नियम में पुराने नियम के उपयोग के संबंध में एक कारण है, विशेष रूप से सुसमाचारों में। जब हम हिब्रू पाठ और ग्रीक पाठ को देखते हैं, जो अक्सर बहुत करीब होगा, लेकिन याद रखें, ग्रीक एक अनुवाद है, और हम पाएंगे कि नए नियम में हिब्रू पाठ के बजाय उस ग्रीक पाठ का उपयोग किया गया है। ऐसा नहीं है कि यह बहुत बड़ा अंतर है, लेकिन जब आप अनुवाद की बारीकियों में उतरते हैं, तो आप उन निशानों को देखेंगे।

इससे हमें पता चलता है कि शुरुआती ईसाई समुदाय सेप्टुआजेंट को महत्व देते थे और इसका इस्तेमाल करते थे। और हमें इसके बारे में जागरूक होने की ज़रूरत है। तो यह पुराने नियम की परंपरा का हिस्सा है।

हाल के दशकों में, जो अब शायद 50 साल या उससे भी ज़्यादा हो गए हैं, हमें डेड सी स्कॉल तक पहुँच मिली है, जिसके बारे में आप जानते होंगे। अगर नहीं, तो आप इंटरनेट पर जा सकते हैं और गूगल पर, जैसा कि हम आजकल कहते हैं, डेड सी स्कॉल, खोज सकते हैं और उनके बारे में बहुत कुछ जान सकते हैं। वे दूसरी से पहली शताब्दी की रचनाएँ थीं, जो मुख्य रूप से हिब्रू में थीं।

वे पुराने नियम का पाठ और एस्तेर को छोड़कर बाकी सब कुछ उपलब्ध कराते हैं। और इसका कुछ हिस्सा आंशिक है, लेकिन इसका अधिकांश हिस्सा बहुत पूर्ण है। और इसने हमें हिब्रू का एक बिल्कुल नया संस्करण दिया है, जिसकी तुलना हम उस हिब्रू से कर सकते हैं जिसका हम पहले इस्तेमाल करते थे।

आप देखिए, दुनिया भर में कक्षाओं में इस्तेमाल की जाने वाली ठेठ हिब्रू बाइबिल, जब हम पुराने नियम का अध्ययन करते हैं, तो वास्तव में बहुत बाद में बनाई गई थी, लगभग 9वीं शताब्दी ई. और उसके परिणामस्वरूप, हम कुछ ऐसा पाते हैं जो कई शताब्दियों पहले की बात है, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि उन दो चीजों की तुलना की जाए। अब, यहूदियों ने संचरण का बहुत अच्छा काम किया।

यह ग्रीक बाइबल की तुलना में बहुत अलग स्थिति है, जहाँ हमारे पास हज़ारों पांडुलिपियाँ हैं और संचरण का एक बहुत ही अलग पहलू है। लेकिन साथ ही, हमारे पास हिब्रू, अरामी और ग्रीक में पुराने नियम की बहुत मजबूत गवाही है। अब, नया नियम हमारे पास आया है।

यहाँ लगभग 5,200 पांडुलिपियाँ हैं, और कुछ पांडुलिपियाँ तो अभी भी मिल रही हैं। हाल के दशकों में, नई पांडुलिपियाँ सामने आई हैं। ये पांडुलिपियाँ दूसरी से 16वीं शताब्दी तक की हैं और छपाई के समय तक की हैं।

हमारे पास हस्तनिर्मित प्रतियाँ हैं। ग्रीक में न्यू टेस्टामेंट की कोई भी हस्तनिर्मित प्रति हमारे लिए प्राथमिक पांडुलिपि है। अब, न्यू टेस्टामेंट की प्रतिलिपि बहुत प्रारंभिक चरण में लैटिन में, कॉप्टिक में बनाई गई थी, और संस्करणों के संदर्भ में उनमें भी कई अन्य भाषाएँ और उनके रूपांतर हैं।

इसलिए, जैसे ही नया नियम प्रसारित हुआ, खासकर कॉन्स्टेंटाइन द्वारा ईसाई धर्म को लगभग 325 में कानूनी धर्म बनाने के बाद, नया नियम तैयार किया गया और प्रसारित किया गया, खासकर पश्चिमी दुनिया में। इसलिए, हमारे पास ग्रीक है, हमारे पास लैटिन है, हमारे पास मिस्र के प्रभाव के कारण कॉप्टिक है, और अन्य संस्करण हैं। लेकिन मुख्य रूप से, मैं इस समय ग्रीक पांडुलिपियों के बारे में सोच रहा हूँ।

इनमें से लगभग 3,000 यूनानी पांडुलिपियाँ हैं। लगभग 2,100 को हम ग्रीक लेक्शनरी कहते हैं। अगर आपके पास कभी भजन-पुस्तिका रही है, तो लेक्शनरी आजकल दुर्लभ होती जा रही है, लेकिन अगर आपके पास भजन-पुस्तिका है और उस भजन-पुस्तिका के पीछे दिन भर के लिए शास्त्रों का पाठ होता है, तो लेक्शनरी आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकती है।

कई संप्रदायों में तीन साल का चक्र होता है जिसमें वे मंच पर बाइबल पढ़ते हैं, और वे तीन साल में बाइबल पढ़ लेते हैं, हर साल उनके पास एक लेक्शनरी होती है, और भजन संहिता के पीछे, कभी-कभी इसे मुद्रित किया जाता है, या कम से कम अंश मुद्रित किए जाते हैं और उन्हें पढ़ा जाता है। खैर, उनके पास शुरुआती शताब्दियों में भी इस तरह की चीजें थीं, जहां ईसाई जिनके पास इन पांडुलिपियों तक छपाई से पहले उतनी पहुंच नहीं थी, वे टुकड़े लेते थे और अपने लिए एक लेक्शनरी, एक चयनित पाठ तैयार करते थे, और इस तरह यह न्यू टेस्टामेंट पांडुलिपियों के साक्ष्य का एक हिस्सा बन जाता है। अब, इस कुल में से, इनमें से केवल 318 पांडुलिपियाँ ही हैं।

इन चीजों को हमेशा सांख्यिकी के संदर्भ में अपडेट किया जाता है, इसलिए मैं इन आंकड़ों के संदर्भ में मेटज़गर और एलेन की पुस्तकों का उपयोग करते हुए, बॉलपार्क के बहुत करीब बोल रहा हूँ, लेकिन इनमें से लगभग 318 9वीं शताब्दी ईस्वी से पहले हमारे पास आते हैं। अब, मुझे यहां कुछ उल्लेख करने दें। हमारे पास ईसा पूर्व, ईसा से पहले, AD है, जो कि डोमिनिको परंपरा के बाद, ईसा के बाद एक लैटिन है। यह डेटिंग, ईसा पूर्व, ईस्वी को संदर्भित करने का पारंपरिक तरीका रहा है। आज अधिकांश पुस्तकों में, आप BC और AD नहीं देखेंगे। आप BCE और CE देखेंगे, वे बड़े अक्षर।

तो, BCE का मतलब है BC, जिसका मतलब है BCE, आम युग से पहले, और CE का मतलब है AD यानी आम युग, और आप मुझे समय के इस विभाजन को इनमें से किसी भी शब्द से संदर्भित करते हुए सुनेंगे क्योंकि आप में से कई लोग अभी भी BC, AD के बारे में ही सोचते होंगे। मैं अक्सर इसका इस्तेमाल करूँगा, लेकिन मैं BCE या CE कह सकता हूँ, और अब आप समझ जाएँगे कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। तो, 9वीं शताब्दी से पहले केवल 318 पांडुलिपियाँ, आंशिक या पूरी, और उनमें से कई खंडित हैं।

मुझे लगता है, उस दृष्टिकोण से, जब आप सुनते हैं कि 5,200, 5,000 से ज़्यादा पांडुलिपियाँ हैं, तो आप बात समझ जाते हैं। 9वीं शताब्दी में कुछ ऐसा चल रहा था जिससे बहुत सारी पांडुलिपियाँ तैयार हुईं। चर्च लगभग 325 के आसपास कानूनी हो गया, और सार्वजनिक रूप से काम करना शुरू कर दिया, लेकिन 9वीं शताब्दी में, विशेष रूप से रोमन कैथोलिक चर्च में, स्क्रिप्टोरियम थे, जहाँ पांडुलिपियों की नकल की जाती थी।

मैं इसके इतिहास में नहीं जा सकता। समय नहीं है। यह बहुत ही रोचक इतिहास है, लेकिन आपके पास और भी बहुत कुछ है।

इस संबंध में, आप किसी को पाठ के बहुमत के बारे में बात करते हुए सुन सकते हैं। खैर, जहाँ तक संख्याओं का सवाल है, बहुमत पाठ 9वीं शताब्दी के बाद का होगा, और मैं इस समय ग्रीक पांडुलिपि पाठ आलोचना के बारे में सभी मुद्दों पर नहीं जा रहा हूँ। मेरे पास समय नहीं है, लेकिन यह आपके लिए जागरूक होने वाली बात है।

सभी पांडुलिपियाँ महत्वपूर्ण हैं। हम चीजों की प्रकृति के आधार पर यह मान लेंगे कि जो कुछ प्रेरितों के समय के करीब है, उसके अस्तित्व के संदर्भ में, उसे बहुत, बहुत करीब से देखा जाना चाहिए और शायद 9वीं शताब्दी के बाद की अधिकांश पांडुलिपियों पर भी प्राथमिकता दी जानी

चाहिए। हालाँकि, उसी समय, 9वीं शताब्दी के बाद की पांडुलिपियों की रचना में ऐसे पाठ होंगे जो उस शुरुआती समय को दर्शाते हैं।

इसलिए, हाँ या ना कहना आसान नहीं है। हम उन सभी को स्वीकार करते हैं। हम पाठ्य आलोचना के सिद्धांतों के साथ उन पर काम करते हैं, और हम उन पाठों को खोजते हैं जो हमारे ग्रीक न्यू टेस्टामेंट का हिस्सा बन जाते हैं।

यहाँ तक कि ग्रीक न्यू टेस्टामेंट में भी उन पाठों में भिन्नता के बारे में फुटनोट हैं, और मेरे पास ग्रीक न्यू टेस्टामेंट की एक मैनुअल है जिसका हम यहाँ उपयोग करते हैं। आप यहाँ देख सकते हैं कि इसमें एक पाठ है, और फिर यहाँ फुटनोट हैं। खैर, यह केवल एक छात्र संस्करण है।

हमें आने वाली पांडुलिपियों की श्रृंखला को प्रस्तुत करने के लिए लगभग 10 खंडों या उससे अधिक की आवश्यकता होगी। ये भिन्नताएँ अक्सर किसी शब्द की अलग-अलग वर्तनी हो सकती हैं। बहुत सी छोटी-मोटी समस्याएँ हैं।

पांडुलिपि परंपरा में दिन के अंत में बहुत कम ऐसी बातें होती हैं जो किसी ऐसी चीज पर पहुंचती हैं जो बेहद गंभीर हो। उस शब्द पर व्यंग्य करना बहुत छोटा है। अब, अंग्रेजी संस्करण।

तो, हमारे पास हिब्रू अरामी और फिर सेप्टुआजेंट नामक ग्रीक संस्करण में पुराना नियम है। हमारे पास नया नियम है, जो हमारी पांडुलिपि परंपरा के अनुसार हमारे पास आया, क्योंकि यह मुख्य रूप से ग्रीक में है। हिब्रू में कुछ और चीजें भी हो सकती हैं, लेकिन मुख्य रूप से ग्रीक में।

लेकिन फिर, हम अंग्रेजी संस्करणों के साथ काम कर रहे हैं, और अंग्रेजी बाइबिल वास्तव में पश्चिमी दुनिया के हाथों में आने से बहुत पहले की बात है। अब यहाँ, यदि आप पूर्वी दुनिया या दक्षिण पूर्व एशिया या कहीं और हैं, तो यहाँ फिर से, मैं इस इतिहास की बात कर रहा हूँ, विशेष रूप से पश्चिमी दुनिया के दृष्टिकोण से, क्योंकि यहीं से वह इतिहास एकत्रित हुआ था। उदाहरण के लिए, रोम के बिशप ने जेरोम को अंग्रेजी संस्करण सी के तहत लगभग 382 में बाइबिल का लैटिन अनुवाद करने का काम सौंपा।

अब, आप देखेंगे कि ईसाई धर्म 325 में वैध हो गया। ग्रीक बाइबिल को रोमन साम्राज्य की भाषा में बदलना शुरू करने में 382 तक का समय लगा, जो लैटिन रही होगी। इसलिए, यह एक धीमी प्रक्रिया है।

ईसाई धर्म के कानूनी धर्म बनने के बाद के शुरुआती दशकों में कई चीजें चल रही थीं, खासकर धर्मशास्त्र में, जैसा कि आप चर्च के पादरियों से जान सकते हैं। यह संस्करण लगभग 404 ई. में बेथलेहम में चरम पर था। वलोट, जैसा कि इसे कहा जाता था, एक हज़ार से अधिक वर्षों तक पश्चिमी चर्च की बाइबिल थी, और केवल लैटिन जानने वाले लोगों के पास ही इसकी पहुँच थी।

तो, आपके पास वह रोमन दुनिया है जिसने एक विशाल भौगोलिक क्षेत्र पर विजय प्राप्त की, और कई लोगों के पास अपनी खुद की भाषा नहीं थी। बहुत से लोग ग्रीक जानते होंगे, लेकिन हो सकता है कि वे सब कुछ न जानते हों, लेकिन ग्रीक के प्रति स्थानीय दृष्टिकोण हो सकता है। मेरे

पास कई ग्रीक बाइबल हैं, शास्त्रीय ग्रीक, आपके पास न्यू टेस्टामेंट काल की ग्रीक और आपके पास आधुनिक ग्रीक है, और वे एक जैसे नहीं हैं।

यह कुछ हद तक अंग्रेजी की तरह है; अगर आप बियोवुल्फ़ पढ़ने जाते हैं या शेक्सपियर पढ़ने जाते हैं, तो आपको कुछ समय लगता है क्योंकि अचानक, आप अंग्रेजी पढ़ रहे होते हैं। यह उस अंग्रेजी की तरह नहीं है जिसका आप इस्तेमाल करते हैं। और इसलिए, ग्रीक, हालांकि यह एक लंबे समय से चली आ रही भाषा है, कई तरह से बदल गई है, और जब हम ग्रीक स्रोतों को देखते हैं तो हमें इसे ध्यान में रखना होगा।

गुटेनबर्ग, जो पश्चिमी दुनिया में था, ने जेरोम के संस्करण को लगभग 1452 से 56 के बीच छापा। पश्चिमी दुनिया में, हम आधुनिक मुद्रण को गुटेनबर्ग के समय से ही शुरू हुआ हुआ मानते हैं। निष्पक्षता से, मुझे यहाँ यह ध्यान देने की ज़रूरत है कि जहाँ गुटेनबर्ग ने मुद्रण को समझने में पश्चिमी दुनिया पर अपना दबदबा बनाया, वहीं अरबों ने गुटेनबर्ग से बहुत पहले ही चल प्रिंट छापना शुरू कर दिया था।

लेकिन चूँकि हम पश्चिमी दुनिया में रहते हैं, इसलिए यह आमतौर पर हमारे इतिहास का हिस्सा नहीं है। अरामको वर्ल्ड नाम की एक पत्रिका है। यह अरब अमेरिकी तेल कंपनी अरामको वर्ल्ड है।

और मैंने बहुत समय पहले गुटेनबर्ग के समय से पहले अरब दुनिया में चल मुद्रण के बारे में एक लेख पढ़ा था। लेकिन हमारे दृष्टिकोण से, हमें उस पश्चिमी दुनिया से काम करना होगा और पश्चिमी दुनिया में बाइबिल के विकास से लेकर अंग्रेजी बाइबिल तक का विकास करना होगा। इसलिए, गुटेनबर्ग वह है जिसका हम उल्लेख करते हैं।

ग्रीक न्यू टेस्टामेंट, हालांकि, ग्रीक बाइबिल इरास्मस तक नहीं छपी थी, जो एक मानवतावादी रोमन कैथोलिक विद्वान थे। वह एक मानवतावादी विद्वान थे। जहाँ तक धर्म का सवाल है, वह रोमन कैथोलिक भी थे।

और उन्होंने इसे 1514 में छापा। जिस समय इरास्मस काम कर रहे थे, उसी समय थोड़ी प्रतिस्पर्धा चल रही थी। ग्रीक बाइबल कौन प्रकाशित कर सकता है? यह पुनर्जागरण की भावना का हिस्सा है, अगर आप चाहें तो, मूल स्रोतों पर वापस जाने की।

और कैथोलिक चर्च पहला बनना चाहता था, कम से कम एक समूह, एक निश्चित समूह। और इसलिए, उन्होंने इरास्मस को इसे तैयार करने के लिए नियुक्त किया। यहाँ फिर से, हम इरास्मस के बारे में पूरे दिन बात कर सकते हैं, जिनके पास एक दर्जन से भी कम पांडुलिपियाँ थीं और उनके पास ग्रीक न्यू टेस्टामेंट बनाने के लिए पूरी ग्रीक बाइबल भी नहीं थी।

उन्हें एक संपूर्ण ग्रीक बाइबल बनाने के लिए लैटिन से वापस ग्रीक में रहस्योद्घाटन की पुस्तक का एक बड़ा हिस्सा अनुवाद करना पड़ा। अब आप कल्पना कर सकते हैं कि एक ग्रीक विद्वान यह तय करने की कोशिश कर रहा है कि बाद में अन्य पांडुलिपियों के संबंध में मूल ग्रीक क्या था। लेकिन फिर भी, इरास्मस है।

और फिर, कॉम्प्लूटेंसियन पॉलीग्लॉट नामक एक बहुत ही अकादमिक बाइबल थी। पॉलीग्लॉट का मतलब है कई लेखन जो एक साथ रखे गए थे लेकिन 1520 तक प्रकाशित नहीं हुए थे। यह इरास्मस से पहले भी तैयार हो सकता था।

हालाँकि, यह इतना बड़ा उत्पाद था कि इसे प्रेस में जगह नहीं मिल पाई क्योंकि यह इरास्मस के कुछ साल बाद ही सामने आया। इसलिए, हमारे पास पश्चिमी दुनिया में चल रहे सुधार के दौर तक, पुनर्जागरण में, और पश्चिमी दुनिया में बाइबल के मूल स्रोतों में यह अनूठी रुचि थी, और विशेष रूप से ग्रीक में जहाँ तक हमारा संबंध है। उससे थोड़ा पहले, जॉन विक्लिफ़ नाम का एक व्यक्ति था, जो लोगों के हाथों में बाइबल पहुँचाने में रुचि रखता था।

आप यहाँ उनकी तिथियाँ देख सकते हैं, 1329 से 84 तक। वे इंग्लैंड में ऑक्सफ़ोर्ड निवासी थे। उन्होंने कुछ हद तक रोमन कैथोलिक चर्च का विरोध किया और बाइबल को स्थानीय भाषा में अनुवाद करने पर उनके प्रतिबंध का विरोध किया, यानी लोगों की भाषा।

इस समय दुनिया के कई हिस्सों में केवल लैटिन वुल्गेट उपलब्ध था, और इंग्लैंड की तरह, जहाँ वे केवल अंग्रेजी बोलते थे, लैटिन कई लोगों के लिए एक अज्ञात भाषा थी, और इसलिए, लोगों के पास अपनी भाषा में बाइबिल नहीं थी। और न केवल पश्चिमी दुनिया में बल्कि पूरी दुनिया में एक बड़ी खोज है, बाइबिल को एक आम व्यक्ति की भाषा में लाने के लिए जो पढ़ रहा है, जो अपनी भाषा पढ़ रहा है, ताकि वे शास्त्रों में कहीं गई बातों तक पहुँच सकें। जॉन विक्लिफ़ हमारे लिए ऐसा करने वाले शुरुआती व्यक्तियों में से एक थे, लेकिन उनके पास एक बहुत ही कठिन काम था।

उन्होंने और उनके सहयोगियों ने वुल्गेट का बहुत ही शाब्दिक अनुवाद प्रस्तुत किया, और कोई भी शाब्दिक अनुवाद कटा-फटा हो सकता है। अब, ध्यान दें कि वे वुल्गेट का अनुवाद प्रदान कर रहे हैं, न कि मूल भाषाओं का। इस वस्तुतः भूमिगत अनुवाद का रोम द्वारा कड़ा विरोध किया गया, चाहे वे किसी भी तरह के कारणों से नियंत्रित करना चाहते हों।

यह उनके द्वारा नियंत्रित था, उन्होंने इसका विरोध किया, इतना कि 1414 में रोमन कैथोलिक चर्च की परिषद, कॉन्स्टेंस की परिषद ने विक्लिफ़ के शरीर को खोदकर जलाने का आदेश दिया। इस इतिहास से छुटकारा पाओ। विलियम टिंडेल ने 1526 में न्यू टेस्टामेंट छापा।

1525 में, लेकिन ओल्ड टेस्टामेंट को पूरा करने से पहले ही 1536 में उन्हें मार दिया गया। जैसा कि ब्रूस मेट्ज़गर नामक एक अमेरिकी विद्वान ने कुछ समय पहले कहा था, उन्हें एक कलश में भेजा गया था। ब्रूस मेट्ज़गर प्रिंसटन में प्रोफेसर थे।

उन्हें एक कलश में एक बाइबिल की प्रति भेजी गई थी, जो लोगों को पसंद नहीं थी, क्योंकि संयोग से वे इसके अनुवादक थे, और उन्होंने इसे जला दिया, इसे इस कलश में रखा, और उन्हें भेज दिया। यह उनके काम के बारे में उनके विचारों का बयान था। खैर, मेट्ज़गर ने, जैसा कि वे करने के लिए उपयुक्त थे, क्लासिक बयान दिया कि उन्हें खुशी है कि कम से कम वे अनुवादकों के बजाय बाइबिल जला रहे थे।

खैर, पुराने दिनों में, उन्होंने अनुवादकों को जला दिया था। उनके पास ऐसा करने की शक्ति थी, और हम इसे विक्लिफ के अवशेषों के साथ इस प्रसिद्ध व्यक्ति और अन्य लोगों के साथ देखते हैं जिन्होंने लोगों के हाथों में बाइबल पहुँचाने की कोशिश की। अब, टिंडेल की मृत्यु तक धार्मिक साज़िश ही संचालन का तरीका था।

इसके बाद राजनीति बदल गई। इंग्लैंड लोगों की भाषा में बाइबल का अनुवाद करने का केंद्र बन गया, और हमारे पास बाइबल की एक पूरी श्रृंखला है जो अंग्रेजी में आती है। 1535 में, हमारे पास कवरडेल, 39 में ग्रेट बाइबल और जेनेवा बाइबल है।

आप उस पर एक तारांकन चिह्न लगाना चाहते हैं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाइबल है। 1560 में, 68 में बिशप की बाइबल।

फिर, शायद पश्चिमी इतिहास में सबसे प्रसिद्ध बाइबलों में से एक, और सही भी है। वास्तव में, मेरा मानना है कि हमने कुछ समय पहले ही इसकी 150वीं वर्षगांठ मनाई थी। असल में, क्या? 16, 17, 18, 19.

यह 300 है। 1611 से 2011 तक 400 वर्ष हो गए हैं। किंग जेम्स संस्करण के 400 वर्ष हो गए हैं, और यह अभी भी मुद्रित हो रहा है तथा अभी भी उपलब्ध है।

इसे 1611 में प्रकाशित किया गया था। इस संस्करण की शुरुआत 1604 में हुई थी, जिसमें 54 अनुवादक शामिल थे। केवल 47 नाम ही सुरक्षित रखे गए हैं।

किंग जेम्स संस्करण अपने समय में उतना ही विवादास्पद था, जितना कि आज के नए बाइबल अनुवाद विवादास्पद हैं। हमेशा ऐसा ही होता है। कोई भी व्यक्ति कुछ नया नहीं चाहता।

हम पुरानी चीजें चाहते हैं। उन्हें बाइबल चाहिए थी। दरअसल, जब तीर्थयात्री संयुक्त राज्य अमेरिका आए, तो ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने नाव पर किंग जेम्स बाइबल रखने की अनुमति नहीं दी।

यह केवल एक ऐसी बाइबल हो सकती है जो कुछ समय से मौजूद थी, जेनेवा बाइबल। अब, किंग जेम्स ने तब तक अपना दबदबा बनाए रखा जब तक कि 1870 में एक नया संशोधन नहीं किया गया। यह सब न्यूयॉर्क शहर के अमेरिकन बाइबल सोसाइटी के पास एक चार्ट में है।

अमेरिकन बाइबल सोसाइटी, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क। आप ऑनलाइन जाकर देख सकते हैं कि क्या आपको उनके विद्वानों के स्रोतों में अंग्रेजी बाइबल पर कोई चार्ट मिल सकता है। किंग जेम्स ने अंग्रेजी बाइबल के लिए मंच तैयार किया।

उदाहरण के लिए, संशोधित मानक संस्करण, जो अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में एक प्रमुख बाइबिल है, बिल्कुल नया अनुवाद नहीं है, बल्कि बाइबिल पांडुलिपियों की बढ़ती समझ के अनुसार अपडेट के साथ किंग जेम्स का संशोधन है। आप देखिए, किंग जेम्स संस्करण इरास्मस

के ग्रीक पाठ से आया था, और वह पाठ लगभग एक दर्जन पांडुलिपियों पर आधारित था, और जब उसने इसे बनाया था तब उसके पास पूरी ग्रीक बाइबिल भी नहीं थी। अब, हमारे पास 5,000 से अधिक पांडुलिपियाँ हैं, इसलिए इन अनुवादों की जाँच, तुलना और अद्यतन करने के लिए बहुत काम किया जा सकता है।

अब, यह अंग्रेजी दुनिया में 1611 में किंग जेम्स संस्करण है। तो, यह वास्तव में हमें आधुनिक समय तक नहीं ले जाता है, है ना? लेकिन यह हमें दिखाता है कि बाइबल को लोगों की भाषा में लाने के इस संघर्ष में, हमारे पास पुराने नियम और नए नियम से बहुत सारे अनुवाद हैं। नया नियम, विशेष रूप से ग्रीक से अंग्रेजी में, इन प्रसिद्ध व्यक्तियों के समय से ही है।

अब, यदि आप इसके बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो इसे कम करना बहुत मुश्किल है क्योंकि यह एक दिलचस्प कहानी है। मैंने आपको यहाँ एक ग्रंथ सूची दी है ताकि आप विभिन्न तरीकों से किंग जेम्स संस्करण के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास कर सकें। मैं इन सभी पर आपके साथ चर्चा करना चाहता हूँ, यहाँ उनमें से केवल तीन हैं। मेरी ग्रंथ सूचियों को सीमित मात्रा में रखने का प्रयास करें ताकि यह भारी न हो।

आप इन्हें देख सकते हैं और किंग जेम्स बाइबल के इतिहास के बारे में पढ़ सकते हैं। अब, आधुनिक समय की बात करते हैं। आप शायद अंग्रेजी बाइबल के विद्यार्थी हैं।

आप उन सभी अनुवादों के साथ क्या करते हैं जो वहाँ उपलब्ध हैं? और मैं उनमें से कुछ को ही सूचीबद्ध कर रहा हूँ। खैर, मैं आपको इसकी बड़ी तस्वीर देना चाहता हूँ ताकि आप अपने अंग्रेजी बाइबलों के साथ क्या करना है, इस बारे में कुछ उचित निर्णय ले सकें। ठीक है? अब, अंग्रेजी बाइबल अनुवाद और अंग्रेजी अनुवाद प्रक्रियाओं को परिभाषित करना।

यह 'सो मेनी बाइबल्स, सो लिटल टाइम' पर नोट्स के पेज दो पर है। अब, आप यहाँ देखेंगे कि अंग्रेजी बाइबल अनुवादों को परिभाषित करने के अंतर्गत, मेरे पास दो प्रमुख श्रेणियाँ हैं। एक को औपचारिक तुल्यता कहा जाता है, और एक को गतिशील तुल्यता कहा जाता है।

गतिशील शब्द का इस्तेमाल अभी बहुत ज़्यादा नहीं किया जाता। अब हम इसे कार्यात्मक तुल्यता कहते हैं। शब्दावली बदल जाती है।

लोगों को चीज़ों पर थोड़ा अलग नज़रिया रखना पसंद है। लेकिन औपचारिक और गतिशील इन अंग्रेजी बाइबलों, इन अंग्रेजी अनुवादों के विकास को देखने से प्रमुख शब्द रहे हैं। और मैं सिर्फ़ उन्हीं शब्दों का इस्तेमाल करूँगा लेकिन आपको इस तथ्य से अवगत करा दूँगा कि गतिशील इन दिनों आम तौर पर कार्यात्मक अनुवाद है।

मैं आपको थोड़ी देर में इस पर कुछ ग्रंथ सूची दूँगा। अब, यदि आप चाहें, तो कृपया औपचारिक तुल्यता के अंतर्गत पैराग्राफ के पृष्ठ दो को देखें। आप देखेंगे कि औपचारिक तुल्यता के पीछे किंग जेम्स संस्करण, KJV है।

फिर आपके पास ASV है। ASV को 1901 में प्रकाशित किया गया था। फिर, NASV न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड बाइबल है, जिसमें भी कुछ संशोधन हुए हैं।

यह लंबे समय तक अंग्रेजी बाइबल के लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय था। फिर, RSV अंग्रेजी बाइबल के लोगों के बीच एक प्रमुख संस्करण था। प्रमुख संप्रदाय मुख्य रूप से RSV का उपयोग करते हैं।

इसे NRSV नामक संशोधन के तहत लाया गया, और इसमें कुछ संशोधन भी हुए हैं। फिर हम हाल ही में ESV नामक कुछ चीज़ पर आए, जो कि अंग्रेजी मानक संस्करण है, जो कि एक छोटे समुदाय द्वारा प्रस्तुत किया गया संस्करण था, लेकिन कुछ लोगों के बीच लोकप्रिय हो गया। अब, अंतिम शब्द, वास्तव में कोई अंग्रेजी संस्करण नहीं है।

यह बिल्कुल वैसा ही नहीं है जैसा कि अन्य हैं, लेकिन मैं इसे वहां रखना चाहता था। इसे तनख कहा जाता है। यह बाइबिल का हिब्रू अनुवाद है जिसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है, और आप उस शब्द को देख सकते हैं, और आप यहूदी विद्वानों से भी बाइबिल के उनके अनुवाद प्राप्त कर सकते हैं।

मैं मुख्य रूप से दूसरों को देख रहा हूँ। अब, आपको यह समझने की ज़रूरत है कि वे औपचारिक समकक्ष अनुवाद सभी किंग जेम्स स्ट्रीम की चीज़ों में हैं। वे किंग जेम्स को संशोधित कर रहे हैं, इसे अपडेट कर रहे हैं, इसलिए इसे और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए।

उदाहरण के लिए, किंग जेम्स बाइबिल को हम 12वीं कक्षा के पढ़ने के स्तर पर लिख सकते हैं। वैसे, बाइबिल के सबसे हालिया अनुवादों में से एक को अधिकतम 6वीं कक्षा के पढ़ने के स्तर पर लिखा गया था। हाल की शताब्दियों में अंग्रेजी दुनिया में पढ़ने की आदत खराब हो गई है, और इसलिए, लोगों के हाथों में बाइबिल देना एक निरंतर परियोजना है ताकि उन्हें कुछ ऐसा दिया जा सके जिसे वे समझ सकें।

मैं आपको एक छोटी सी कहानी सुनाता हूँ। मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त है जो एक ऐसी परंपरा में पढ़ाता है जो किंग जेम्स संस्करण का उपयोग करना पसंद करती है। अब, वे किंग जेम्स संस्करण का उपयोग इसलिए नहीं करते क्योंकि वे ग्रीक पांडुलिपियों के बारे में नासमझ हैं या इस तथ्य के बारे में नासमझ हैं कि किंग जेम्स को कभी-कभी थोड़ी मदद की आवश्यकता हो सकती है, बल्कि वे किंग जेम्स संस्करण का उपयोग इसलिए करते हैं क्योंकि इसने लगभग 400 वर्षों तक भाषा निर्धारित की, ऐसा लगता है, कि इसने पूजा-पाठ की भाषा निर्धारित की।

आपके बहुत से भजनों में किंग जेम्स संस्करण के वाक्यांशों का उपयोग किया गया है, और लोग मुझसे पहले की पीढ़ी को याद करते हैं, विशेष रूप से केवल किंग जेम्स को, धार्मिक कारणों से नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि वह मुख्य बाइबल थी, और बाइबल को किंग जेम्स संस्करण में याद किया गया था। इसलिए, जब नए संस्करण सामने आए, और वे उससे थोड़ा हटकर थे, तो उन्हें झटका लगा होगा। लेकिन किंग जेम्स बाइबल पढ़ने में आसान बाइबल नहीं है क्योंकि यह 12वीं

कक्षा के स्तर की है, और यह कुछ हद तक पुरानी अंग्रेज़ी में भाग लेती है, भले ही किंग जेम्स को अपनी परंपरा के साथ बहुत अधिक छेड़छाड़ किए बिना इसे कहने के तरीके को उन्नत करने के लिए संशोधित किया गया हो।

खैर, मेरा दोस्त उस परंपरा के संदर्भ से मेरे पास आया था जिसे किंग जेम्स बाइबिल की धार्मिक ध्वनि पसंद थी, और वह खुद एक प्रमुख विद्वान है, लेकिन वह एक चर्चमैन है। वह पहली से 12वीं कक्षा के बच्चों के साथ काम कर रहा था, बच्चों के हाथों में बाइबिल पहुँचाने की कोशिश कर रहा था। अब, ज़ाहिर है, चूँकि उसने किंग जेम्स बाइबिल का इस्तेमाल किया था और वे अपनी परंपरा में इसे महत्व देते थे, इसलिए वे किंग जेम्स को बच्चों के हाथों में देना चाहते थे।

और वह एक दिन मेरे पास आया, और उसने कहा, मैं आपको बता रहा हूँ, यह बहुत मुश्किल है क्योंकि बच्चे किंग जेम्स इंग्लिश नहीं पढ़ सकते। यह उनके लिए कोई मतलब नहीं रखता। इसलिए, उसके सामने एक चुनौती थी।

वह लोगों के हाथों में बाइबल देना चाहता था। और फिर भी यह एक चुनौती थी क्योंकि ऐसा करने का मतलब था कि वह उन्हें एक ऐसी बाइबल दे रहा था जिसे वे पढ़ नहीं सकते थे। वह क्या करने जा रहा था? वह अपने संप्रदाय की धार्मिक भाषा की रक्षा करने की कोशिश में तनावपूर्ण स्थिति में था।

खैर, किसी अति धार्मिक कारण से नहीं, बल्कि उस परंपरा के कारण। और फिर भी अब उसे मंत्रालय की ज़रूरतों का सामना करना पड़ रहा है ताकि बाइबल को लोगों की भाषा में लाया जा सके ताकि वे इसे पढ़ सकें और समझ सकें। और परिणामस्वरूप, उसके सामने यह चुनौती थी।

बहुत रोचक है, है न? चलिए, इस बारे में सोचते हैं। यह भाषा को लोगों की भाषा में लाना था, बाइबल को लोगों की भाषा में लाना था। औपचारिक तुल्यता।

यहाँ पैराग्राफ में इसका स्पष्टीकरण दिया गया है। ये सभी अंग्रेज़ी अनुवाद किंग जेम्स संस्करण के संशोधन हैं, सिवाय तनख के। मुझे इसके उच्चारण की समीक्षा करनी है, जो कि एक ताज़ा यहूदी शाब्दिक अनुवाद है।

हम इसे अलग से लेंगे। वे सभी, किंग जेम्स से लेकर ESV तक, अनुवाद के लिए एक औपचारिक समतुल्यता प्रक्रिया का पालन करते हैं। डॉ. ब्रूस मेट्ज़गर, एक प्रसिद्ध प्रिंसटन न्यू टेस्टामेंट विद्वान, एक बहुत ही अच्छे रूढ़िवादी विद्वान, नए संशोधित मानक संस्करण के परिचय में अपनी टिप्पणी द्वारा इसे समझाते हैं।

मैं अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ कि आप NRSV के लिए उनके परिचय को पुनः प्राप्त करें। आप इसे RSV में भी पा सकते हैं, लेकिन आपको NRSV के उस पहले संस्करण की आवश्यकता है जब उन्होंने इसे वहाँ रखा था क्योंकि वह एक ऐसा दौर था जिसमें कुछ मुद्दे चल रहे थे जिनसे उनके परिचय को अवगत कराया गया था। इसे NRSV से पढ़ना भी मददगार होता है, जो एक प्रारंभिक संस्करण है, ज़रूरी नहीं कि सबसे हालिया संशोधन हो।

उद्धरण, परंपरा में जारी रखने का निर्देश, यही मेटज़गर NRSV के अनुवाद के बारे में कह रहे हैं, किंग जेम्स बाइबिल की परंपरा में, लेकिन सटीकता, स्पष्टता, व्यंजना और वर्तमान अंग्रेजी उपयोग के आधार पर ऐसे बदलाव पेश करने के लिए। इसलिए, यह कोई नया अनुवाद नहीं था, यह एक अद्यतन अनुवाद था। मूल पाठ और प्रभाग के आदेशों द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर, समिति कहावत का पालन कर रही थी।

यहाँ एक छोटा सा कथन है जिसका उपयोग मेटज़गर ने किया है: जितना संभव हो उतना शाब्दिक रूप से उद्धृत करें, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र रूप से। अब मैं बस एक पल के लिए वहाँ रुकता हूँ। जितना संभव हो उतना शाब्दिक रूप से, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र रूप से।

अगर हम पूरी तरह से बोलना चाहते हैं तो बाइबल का शाब्दिक अनुवाद जैसी कोई चीज़ नहीं है। क्योंकि अगर हम इसका शाब्दिक अनुवाद करें तो यह बकवास होगा। ग्रीक में अंग्रेजी की तरह शब्द क्रम का उपयोग नहीं किया जाता है।

आप जानते हैं, अंग्रेजी में subject, verb और object का इस्तेमाल होता है। इसका एक निश्चित क्रम होता है। ग्रीक में यह हर जगह है।

उदाहरण के लिए, 1 यूहन्ना में, आपको उस वाक्य की मुख्य क्रिया 4 वीं आयत तक नहीं मिलती है। और इसलिए आप ग्रीक का उसी तरह अनुवाद नहीं कर सकते जिस तरह आप अंग्रेजी का अनुवाद करते हैं। आपको वास्तव में इसका अनुवाद करना होगा। आप इसे यहाँ ही अनुवाद नहीं कर सकते।

कई बार मैं इन बाइबलों को इंटरलीनियर कहते हुए देखता हूँ, जहाँ वे ग्रीक भाषा लेते हैं, वे उसके नीचे अंग्रेजी भाषा डालते हैं, और यदि आप केवल अंग्रेजी पढ़ते हैं, तो आप हर जगह पहुँच जाते हैं। मैं समझता हूँ कि स्पेनिश कुछ हद तक इस तरह है, और कई आधुनिक भाषाएँ शायद इसी तरह हैं। वे अंग्रेजी की तरह उबाऊ शब्द क्रम का उपयोग नहीं करते हैं।

और आपको इस बारे में निर्णय लेना होगा कि आप कैसे काम करते हैं। जब लौह परदा गिरा, और रूसी, एक अच्छी तरह से स्थापित रूसी चर्च, रूसी चर्च और रूसी बैपटिस्ट दोनों के संदर्भ में। लौह परदा गिरने के बाद यूक्रेन में रूसी बैपटिस्ट के साथ पढ़ाने का मेरा कुछ समय था।

खैर, उनके पास बाइबल थी जो लूथर की जर्मन बाइबल का अनुवाद थी। और मैं उनके दफ़्तर में बैठता था, वे उन्हें ड्यूक कहते थे, डुकोनचेंको, मुझे लगता है कि वह अपने नाम का उच्चारण इसी तरह करते थे। हम एक अनुवादक के ज़रिए बाइबल के बारे में बात करते थे, और मैं संयोग से ग्रीक न्यू टेस्टामेंट देख रहा था। मैंने कुछ अनुवाद किया, और वह अपनी जर्मन भाषा देख रहा था।

खैर, वह वास्तव में अपनी रूसी बाइबिल पढ़ रहा था, जिसका जर्मन से अनुवाद किया गया था, और जर्मन बाइबिल का अनुवाद किंग जेम्स बाइबिल से किया गया था, या कम से कम इसका वहाँ कुछ संबंध था। हम एक जैसे नहीं थे, इसलिए हमने इस सवाल पर बात करना शुरू किया

कि एक संस्करण खुद को कैसे प्रस्तुत करता है। जितना संभव हो उतना शाब्दिक, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र।

और इसलिए, यदि आप चाहें तो NRSV एक शाब्दिक अनुवाद है, ग्रीक पांडुलिपियों का एक औपचारिक अनुवाद जैसा कि वे प्रस्तुत हैं। नतीजतन, शाब्दिक अनुवाद होना लगभग एक विरोधाभास है। आप ऐसा बिल्कुल नहीं कर सकते क्योंकि भाषाएँ एक जैसी नहीं हैं।

तो, सभी अनुवाद निर्णय लेते हैं। और मैं इसे आपको थोड़ी देर बाद समझाऊंगा। इसलिए जितना संभव हो उतना शाब्दिक, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र।

परिणामस्वरूप, नया संशोधित मानक संस्करण अनिवार्य रूप से शाब्दिक अनुवाद बना हुआ है। शाब्दिक अनुवाद के लिए पाठक से अधिक की आवश्यकता होती है क्योंकि अनुवादक इसे पठनीय अनुवाद बनाने के लिए कुछ और नहीं करते हैं। जब आप बाइबल के औपचारिक समतुल्य संस्करण को पढ़ रहे हों तो आपको अधिक सतर्क रहना होगा, न कि अधिक स्वतंत्रता लेने वाले संस्करण को।

और मैं अगले पैराग्राफ में इस बारे में बात करूंगा कि इसका क्या मतलब है। अब, मैं आपको बता दूँ, मैं ये व्याख्यान देते समय घड़ी देखता हूँ, और मुझे एहसास हो रहा है कि यह व्याख्यान मेरी अपेक्षा से कहीं ज़्यादा लंबा हो गया है। इसका एक कारण यह भी है कि मैं कैमरे से बात कर रहा हूँ, और मैं अपने द्वारा दिए गए कुछ कथनों को समझाने और उन्हें आपके लिए स्पष्ट करने की पूरी कोशिश कर रहा हूँ।

और इससे संदर्भ का विस्तार होता है, और मेरे दिमाग में ऐसी चीजें आती हैं जो मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ उसका एक उदाहरण है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी सोच की धारा को बार-बार नहीं खोऊंगा, जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले किया था। और इसलिए यह इन व्याख्यानों को थोड़ा-बहुत उभार देता है।

परिणामस्वरूप, मैं कभी भी एक घंटे से ज़्यादा समय तक नहीं चलने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। मुझे उम्मीद थी कि मैं अपने व्याख्यानों को लगभग 30 मिनट तक सीमित रखूँगा ताकि आपको संक्षिप्त टेक मिल सकें और आप आ-जा सकें। मुझे लगने लगा है कि यह असंभव हो सकता है, लेकिन मैं कभी भी व्याख्यान में एक घंटे से ज़्यादा समय नहीं लगाऊँगा, भले ही मुझे अपने नोट्स के बीच में कटौती करनी पड़े।

चूँकि हमारे सामने ये सब है, इसलिए ऐसा करना आसान है। अभी, मैं जो करने जा रहा हूँ वह बिंदु बी को पूरा करना है ताकि आपको इस व्याख्यान में औपचारिक और गतिशील तुल्यता पर मेरी प्रस्तुति मिल सके, ताकि आपको पूरी तस्वीर मिल सके। ठीक है, अब मुझे यह करने दें।

तो, औपचारिक तुल्यता। अंग्रेजी बाइबलें जो अनुवाद के उस नियम का पालन करती हैं। वे यथासंभव शाब्दिक हैं, जितनी आवश्यक हो उतनी स्वतंत्र हैं।

वे बाइबल को, किंग जेम्स परंपरा में भी, इस तरह से लिखने की कोशिश कर रहे हैं कि आप इसे समझ सकें। मैं आपको एक अंश देता हूँ जिसे आप हमेशा पढ़ सकते हैं, इसे देखने के लिए। यह रोमियों का अध्याय 7 है। मैं इसे बाइबल का डूबी-डूबी-डू खंड कहता हूँ।

डूबी-डूबी-डू। मैं जो करना चाहता हूँ, वह मैं नहीं कर सकता, लेकिन जो मुझे करना चाहिए, वह मैं नहीं करता, और जो मुझे करना चाहिए, उसे करने में मुझे परेशानी होती है। अगर आप किंग जेम्स संस्करण में रोमियों 7 को पढ़ेंगे, तो आपको वह डूबी-डूबी-डू प्रभाव मिलेगा, और आप पूरी तरह से उलझ जाएंगे।

यदि आप इसे अधिक आधुनिक संस्करण में पढ़ते हैं, जैसे कि NRSV, तो आप पाएंगे कि इसे बहुत हद तक सुचारू किया गया है। जब हम गतिशील तुल्यता पर पहुँचते हैं, तो यह और भी अधिक सुचारू हो जाता है। अब, यहाँ समस्या आती है।

इस बारे में निर्णय कहाँ किए जाते हैं कि किसी चीज़ को कितना सहज बनाया जाए ताकि वह पढ़ने योग्य हो, और आप जितना संभव हो सके उतना शाब्दिक रूप से, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र रूप से पढ़ते हुए सिर्फ़ अवाक और उलझे हुए न हों? अनुवादक हमेशा ऐसे निर्णय लेते रहते हैं, और यहाँ तक कि प्रमुख संस्करणों को भी समय-समय पर अपडेट किया जाता है, और किंग जेम्स को किंग जेम्स के रूप में अपडेट किया गया है, जितना कि RSV को RSV के रूप में अपडेट किया जाता है, क्योंकि अब पाठक, शायद दशकों बाद, उस चीज़ को पढ़ने में सक्षम हो गया है, और इसलिए अनुवादक लगातार ऐसे निर्णय लेते रहते हैं। यह व्याख्या में एक चुनौती बन जाती है।

जब आप इनमें से कोई भी संस्करण पढ़ते हैं तो आप बाइबल पढ़ रहे होते हैं, लेकिन आप अनुवाद पढ़ रहे होते हैं। टिप्पणीकार वे लोग होते हैं जो आपको संपर्क में रखने वाले होते हैं। क्या अंतर है? इसलिए जब आप बाइबल पर शोध करते हैं तो आपको अच्छे, ठोस, विश्वसनीय संसाधनों का उपयोग करना चाहिए।

यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप शायद बाइबल का ऐसा संस्करण इस्तेमाल कर रहे हैं जो आपको उस शाब्दिक अर्थ से थोड़ा दूर ले गया है, और आपको उस संबंध में शास्त्रों के अर्थ को वापस पाने में कुछ मदद की आवश्यकता है। अनुवादक आपके लिए ऐसा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हम देखेंगे कि जैसे-जैसे हम गतिशील में आगे बढ़ेंगे, कभी-कभी यह थोड़ा दूर हो सकता है। तो अब, गतिशील तुल्यता या कार्यात्मक तुल्यता में काफी स्पेक्ट्रम और एक सरणी है।

मैं आपको बाद में कुछ ग्रंथ सूची दूंगा जहाँ आप इस पर पढ़ सकते हैं, लेकिन यहाँ इसका मूल परिचय दिया गया है। आप औपचारिक समानता के लिए NRSV के परिचय में मेटज़गर को पढ़ सकते हैं। अब आपको अनुवाद करने का एक और तरीका मिलेगा, जो विशेष रूप से हमारे पास न्यू इंटरनेशनल वर्जन से आया है जिसे हम NIV कहते हैं।

ध्यान दें कि मैंने यहाँ पाठ में क्या कहा है। इस अनुवाद प्रक्रिया को न्यू लिविंग ट्रांसलेशन के परिचय में अच्छी तरह से समझाया गया है। न्यू लिविंग ट्रांसलेशन लिविंग बाइबल का एक संशोधन था।

लिविंग बाइबल लंबे समय से मौजूद है। कई लोगों ने लिविंग बाइबल को एक तरह से पैराफ्रेज के रूप में देखा, जो कि यथासंभव शाब्दिक अर्थ से कुछ कदम दूर है। हालाँकि, लिविंग बाइबल के संशोधन का नेतृत्व ट्रेम्पर लॉन्गमैन नामक एक अच्छे विद्वान ने किया, जिन्होंने न्यू लिविंग ट्रांसलेशन का यह परिचय लिखा।

वह अनुवाद के अपने सिद्धांतों को समझाते हैं, ताकि एक ऐसी बाइबल उपलब्ध हो जो औपचारिक समकक्ष बाइबलों से भी अधिक पठनीय हो। अब, इस पर ध्यान दें। न्यू लिविंग ट्रांसलेशन बाइबल के परिचय में इस अनुवाद प्रक्रिया को अच्छी तरह से समझाया गया है।

उद्धरण, एक गतिशील तुल्यता अनुवाद जो एक कार्यात्मक तुल्यता अनुवाद है, उसे विचार-के-लिए-विचार अनुवाद भी कहा जा सकता है। अब इससे पहले कि आप बहुत ज़्यादा नाराज़ हो जाएँ, मैं वापस आकर इसे थोड़ा और विस्तार से समझाऊँगा। औपचारिक तुल्यता या शब्द-दर-शब्द अनुवाद के विपरीत अल्पविराम।

बेशक, ध्यान से सुनने और मूल भाषा के विचार का अनुवाद करने के लिए यह आवश्यक है कि पाठ की सही व्याख्या की जाए और फिर उसे समझने योग्य मुहावरों में प्रस्तुत किया जाए। ठीक है, यही रहस्य है, यही कुंजी है, यही कार्यात्मक, माफ़ कीजिए, औपचारिक और कार्यात्मक के बीच के अंतर की अंतर्दृष्टि है। औपचारिक का अर्थ है जितना संभव हो सके मूल भाषाओं से जुड़े रहना, जितना संभव हो सके शाब्दिक, जितना आवश्यक हो उतना स्वतंत्र।

हालाँकि, नई अनुवाद शैलियों, विशेष रूप से एनआईवी परंपरा में, जो एक अच्छी परंपरा है, को गतिशील तुल्यता कहा जाता है। उन्होंने इन दिनों कार्यात्मक शब्द को अपनाया है; शायद इससे उन्हें कम गतिशील होने की कोशिश करने में मदद मिलती है, लेकिन फिर भी, यह एक अच्छा शब्द है। लेकिन यहाँ इसका रहस्य है।

उनके पास अनुवादक है जो उस पाठ को सबसे अधिक पठनीय अंग्रेजी में प्रस्तुत करने में सक्षम होने के लिए उसे एक तरह से देख सकता है। इसका मतलब है व्याख्या। तो, आपके नोट्स के कॉलम में जो आपने मेरे लिए रखा है, शायद गतिशील तुल्यता के दाईं ओर, आप एक व्याख्यात्मक अनुवाद डाल सकते हैं।

यहाँ वे यही कहते हैं: इसके लिए ज़रूरी है कि पाठ की सही व्याख्या की जाए और फिर मुहावरे में उसे समझने योग्य तरीके से प्रस्तुत किया जाए। अब, यह दावा करना कि आपने बाइबल की पूरी तरह से सही व्याख्या की है, एक बहुत बड़ा दावा है। इसलिए, मैं गतिशील या गतिशील समकक्ष संस्करणों को व्याख्यात्मक अनुवाद कहता हूँ।

अब यह बुरा नहीं है अगर यह अच्छे विद्वानों द्वारा किया जा रहा है जिनके पास उन पर मजबूत नियंत्रण है। एनआईवी एक व्याख्यात्मक अनुवाद है। यह एक गतिशील अनुवाद है।

यह एक कार्यात्मक अनुवाद है। और मैं आपको अगले व्याख्यान में दिखाऊंगा कि अनुवाद की इन परंपराओं में हम जिन कुछ बहुत ही विशिष्ट पद्य वस्तुओं की तुलना करेंगे, उनका क्या अर्थ है। तो यह आज के लिए मेरा पहला व्याख्यान है।

और हम पृष्ठ दो पर गतिशील के बाद रुक रहे हैं। इसलिए, आपको रुककर चिंतन करने की आवश्यकता है। NRSV और NLT, न्यू लिविंग ट्रांसलेशन को पुनः प्राप्त करने का प्रयास करें, और उन दो बाइबलों के परिचय पढ़ें।

जब हम अगली बार वापस आएं, तो मैं आपको इन अंग्रेजी संस्करणों के बीच का अंतर समझाऊंगा। अब, मैं इस पर इतना समय क्यों खर्च कर रहा हूँ? खैर, इसका जवाब यह है कि यह महत्वपूर्ण है। आपके पास एक बाइबल है जो आपको पसंद है और जिसका आप उपयोग करते हैं।

खैर, मान लीजिए कि आप पादरी बन गए हैं, और आप कुछ सौ लोगों की भीड़ का सामना कर रहे हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि वहाँ कितने अलग-अलग बाइबल संस्करण रखे हुए हैं? या इससे भी ज़्यादा तनावपूर्ण, उनमें से एक व्यक्ति अगले हफ्ते आपके दफ्तर में अपनी बाइबल लेकर आता है, और उनके जीवन में संकट है, और उन्होंने एक आयत चुनी है। और वे उस चीज़ को आपकी मेज़ पर फेंक देते हैं और कहते हैं, बाइबल कहती है।

और यह एक व्याख्यात्मक अनुवाद है, यहाँ तक कि NIV जितना अच्छा भी। लेकिन उन्होंने उस आयत को ऐसा अर्थ दिया है जिससे आप असहमत हो सकते हैं। अब आप बाइबल से असहमत हैं क्योंकि यहाँ यह लिखा है।

अब, अगर हम सेवकाई में रहे हैं तो हम सभी ने इसका अनुभव किया है। और इसका उत्तर इससे भागना नहीं है। इसका उत्तर है कि इन बाइबलों को अपनाना और सीखना कि ये क्या हैं और अनुवाद कैसे काम करता है ताकि आप लोगों को एक ऐसी दुनिया में आगे बढ़ने में मदद कर सकें जहाँ अंग्रेजी बाइबलों का इतना प्रसार हो गया है कि कभी-कभी यह काफी भ्रामक हो जाता है।

धन्यवाद। इतने लंबे व्याख्यान के लिए मुझे खेद है। मैं इसे थोड़ा और कम रखने की कोशिश करूँगा और ऐसा करने का कोई तरीका ढूँढ़ूँगा, भले ही इसका मतलब है कि इसे कम करके 45 मिनट पर चलाना ताकि आपको इतना लंबा बैठना न पड़े।

बेशक, आप मुझे रोक सकते हैं; आप जब चाहें मुझे चुप करा सकते हैं और बाद में वापस आ सकते हैं। मुझे पता है कि यह संभव है। लेकिन मैं इन बातों को ज़्यादा उचित लंबाई के पैकेज में पैक करने का तरीका ढूँढ़ना चाहता हूँ।

तो, धन्यवाद। मैं गैरी मीडर्स हूँ, और मैं 1 कुरिन्थियों पर इस अध्ययन के पहले व्याख्यान पर हस्ताक्षर कर रहा हूँ। ये परिचयात्मक व्याख्यान कुछ आधारभूत कार्य करेंगे ताकि जब हम

वास्तविक पाठ में प्रवेश करें, तो मैं इन मुद्दों का संदर्भ दे सकूँ, और आप समझ जाएँगे कि हम बाइबल के साथ जो कर रहे हैं, वह क्यों कर रहे हैं।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, और आपका दिन शुभ हो।

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दिया गया शिक्षण है। यह व्याख्यान 1, अभिविन्यास, बहुत सारी बाइबलें, बहुत कम समय, भाग 1 है।